RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 51 | जौनपुर शनिवार, 04 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

विदेशी धरती से भारत विरोधी बातें करना उनकी पुरानी आदत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने राहुल गांधी के कोलंबिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि वे भारत की प्रगति से ईर्ष्या के कारण लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने गांधी–वाड्रा परिवार पर 70 सालों तक देश को पिछड़ा रखने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया, जबकि अब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। यह बयानबाजी भारत की आर्थिक प्रगति और विपक्षी आलोचना के बीच के तनाव को उजागर करती है। कोलंबिया में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्र सरकार और भारतीय लोकतंत्र पर की गई टिप्पणियों पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी को भारत विरोधी और देश की प्रगति से नफरत करने वाला बताया। प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि केवल भारत और उसकी प्रगति से नफरत करने वाला व्यक्ति ही विदेशी धरती पर जाकर यह कह सकता है कि भारत अग्रणी नहीं हो सकता। भंडारी ने गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि इसी मानसिकता के तहत गांधी–वाड्रा परिवार ने 70 साल तक देश को गरीब और पिछड़ा रखने की कोशिश की। उन्होंने कहा, श्जब पूरा गांधी–वाड्रा परिवार देखता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, तो राहुल गांधी ईर्ष्या और नफरत से भारत के लोकतंत्र और प्रगति पर हमला करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने आगे दावा किया कि राहुल गांधी का रिमोट कंट्रोल विदेशी ताकतों के हाथ में है ।

आई लव मुहम्मद विवाद के बाद बरेली मंडल हाई अलर्ट

बरेली, (एजेंसी)। बरेली मंडल के चार जिलों में गुरुवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस, प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों को सड़कों पर तैनात किया गया और ड्रोन से निगरानी की गई। अधिकारियों ने बताया कि दशहरा उत्सव के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने बरेली, शाहजहाँपुर, पीलीभीत और बदायूं जिलों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। पुलिस बलों को रामलीला मैदान, दुर्गा पूजा मेलों और रावण दहन कार्यक्रमों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, जहाँ भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। चौधरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सभी जिला मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारियों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए। किसी भी चूक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी नए विवाद को रोकने के लिए खुफिया टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील जगहों पर सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

युवाओं को तोहफा देंगे प्रधानमंत्री मोदी, 62000 करोड़ की योजनाएं करेंगे लॉन्च

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को युवाओं और शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाएं शुरू करने वाले हैं। इन योजनाओं की कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सरकार का कहना है कि इससे युवाओं की पढ़ाई, स्किल ट्रेनिंग (कौशल विकास) और रोजगार के मौके बढ़ेंगे। पीएम मोदी श्प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम–सेतु)श नाम की नई योजना लॉन्च करेंगे। इसके तहत देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई कॉलेज आधुनिक बनाए जाएंगे। इसमें 200 आईटीआई श्हबश होंगे और 800 आईटीआई उनसे जुड़े रहेंगे। हर हब में नई तकनीक, डिजिटल लर्निंग, इनोवेशन सेंटर, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स और प्लेसमेंट सर्विस होगी। इसे वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक भी सहयोग देंगे। पहली कड़ी में बिहार के पटना और दरभंगा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 400 नवोदय विद्यालय और 200 एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1200 स्किल लैब्स खोली जाएंगी। इसमें बच्चों को 12 प्रमुख सेक्टर जैसे आईटी, ऑटोमोबाइल, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में ट्रेनिंग मिलेगी। इसके लिए 1200 विशेष शिक्षक भी तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना– हर साल पांच लाख ग्रेजुएट युवाओं को दो साल तक ध्1000 मासिक भत्ता और मुफ्त स्किल ट्रेनिंग। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (नया रूप)– छात्रों को चार लाख रुपये तक का बिना ब्याज शिक्षा ऋण मिलेगा। अब तक 3.92 लाख छात्रों ने ध्7880 करोड़ के लोन लिए हैं। बिहार युवा आयोग– 18 से 45 साल तक के युवाओं के लिए आयोग बनेगा।

रक्षा मंत्री ने जैन समुदाय की मेहनत और योगदान को सराहा

हैदराबाद, (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार जैन समुदाय की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी में जैन समुदाय की हिस्सेदारी सिर्फ 0.5ः है, लेकिन देश के कुल टैक्स संग्रह में उनका योगदान करीब 24ः है। वे हैदराबाद में श्जिटो कनेक्ट 2025श नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समुदाय के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन समुदाय की सोच और दर्शन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समाज के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन समुदाय का इतिहास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का एक अनमोल उदाहरण है। उन्होंने इस समुदाय की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने देश के फार्मा, विमानन और शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है और इन क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज खिलौनों से लेकर टैंकों तक लगभग हर चीज बनाने लगा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी दुनिया का फैक्ट्री बन जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जैन समुदाय की भूमिका को सराहा और कहा कि उनके प्रयासों से भारत की प्रगति और मजबूती को बल मिला है।

हरियाणा को मिलेगी देश की सबसे बड़ी डेयरी यूनिट, अमित शाह करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को हरियाणा के दौरे पर रहेंगे, जहां वे देश की सबसे बड़ी डेयरी उत्पादन इकाई का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे रोहतक और कुरुक्षेत्र में 825 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह मंत्री अमित शाह रोहतक के आईएमटी में नवनिर्मित साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन करेंगे। 325 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस प्लांट में अत्याधुनिक मशीनरी स्थापित की गई है, जिसे केंद्रीय मंत्री औपचारिक रूप से शुरू करेंगे। पत्नी ने की रिहाई की अपील यह डेयरी प्लांट दही, छाछ और दही के उत्पादन के लिए भारत की सबसे बड़ी यूनिट है, जिसमें प्रतिदिन 150 मीट्रिक टन दही, 3 लाख लीटर छाछ, 10 लाख लीटर दही और 10 मीट्रिक टन मिठाइयों के उत्पादन की क्षमता है। इस सुविधा से लगभग 1,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि अमित शाह रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में श्खादी कारीगर महोत्सवश के दौरान 2,200 कारीगरों को टूल किट वितरित करेंगे मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का थीम स्वदेशी से स्वावलंबन है।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प : सीएम योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया। कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत,वैश्विक झटकों को झेलने में सक्षम - वित्त मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में भी भारत की स्थिति मजबूत है और भारतीय अर्थव्यवस्था इन बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है। वित्त मंत्री ने कहा कि दुनियाभर के देशों के सामने अनिश्चितता का माहौल है। देशों को इस अनिश्चितता के माहौल से भी निपटना है और साथ ही व्यापार, वित्त और ऊर्जा असंतुलन का भी सामना करना एक बड़ी चुनौती है। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा भू–राजनीतिक संघर्ष तेज हो रहे हैं। प्रतिबंध, टैरिफ और अलगाव की रणनीतियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नया आकार दे रही हैं। भारत के लिए, ये बदलाव चिंताजनक भी हैं, लेकिन साथ ही हमारे जुझारूपन को भी उजागर करते हैं। बाहरी झटकों को झेलने की हमारी क्षमता मजबूत है और हमारी आर्थिक क्षमता भी विकसित हो रही है। सम्मेलन में श्अशांत समय में समृद्धि की तलाशश विषय पर सत्र को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि युद्ध और रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता, सहयोग और संघर्ष को फिर से परिभाषित कर रही हैं। जो गठबंधन कभी मजबूत दिखते थे, उनके लिए परीक्षा का समय है और दुनिया में नए गठबंधन उभर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि हम जिस चीज का सामना कर रहे हैं, वह कोई अस्थायी बाधाएं नहीं हैं बल्कि हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव होते देख रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि श्भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली है और लगातार बढ़ रही है। वर्षों से सकल घरेलू उत्पाद में उपभोग और निवेश की स्थिर हिस्सेदारी के साथ, भारत का विकास उसके घरेलू कारकों पर टिका हुआ है, जो बाहरी प्रभाव को कम करता है। सीतारमण ने कहा, श्भारत का उदय न तो आकस्मिक है और न ही क्षणिकय बल्कि, यह कई कारकों के एक मजबूत संयोजन का परिणाम है।

कनाडा के उच्चायुक्त ने राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा परिचय पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और कनाडा संबंधों में एक साल बाद अब धीरे–धीरे नरमी आ रही है। इसी बीच शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कनाडा के नए उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर से उनकी राजनयिक नियुक्ति की औपचारिक मान्यता स्वीकार की। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में एक साल बाद धीरे–धीरे सुधार की कोशिशें शुरू हुई हैं। बता दें कि पिछले साल अक्तूबर में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े आरोपों के बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया था और जवाब में कनाडा के भी कई राजनयिकों को भारत से निकाल दिया गया था। हालांकि इसी साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मुलाकात कर संबंध सुधारने पर सहमति जताई और जल्द ही दोनों देशों ने अपने–अपने राजनयिकों की वापसी का रास्ता साफ किया। इसके बाद भारत ने दिग्गज राजनयिक दिनेश के पटनायक को कनाडा में उच्चायुक्त नियुक्त किया, जिन्होंने 25 सितंबर को कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन को अपनी नियुक्ति पत्र सौंपा। इसी क्रम में कनाडा ने क्रिस्टोफर कूटर को भारत में अपना उच्चायुक्त बनाया, जिन्होंने अब राष्ट्रपति मुर्मू को अपना नियुक्ति पत्र सौंपा है। कूटर को 35 वर्षों का राजनयिक अनुभव है।

कोलंबिया में राहुल गांधी के बयान पर सियासी बवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोलंबिया में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया बयानों ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस सांसद के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 100 साल तक एक ही परिवार के शासन के बाद भी, अपने संगठन के पतन और सत्ता खोने से घबराकर, उस परिवार के मुखिया, जो आज भारत विरोधी ताकतों का पिछलग्गू बनता दिख रहा है, ने अपनी आदत के अनुसार, विदेशी धरती से एक और बयान दिया है, जो आश्चर्यजनक नहीं है। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने 100 साल तक लोकतंत्र का चोला ओढ़कर राजशाही को जिंदा रखा, उनसे लोकतंत्र में भाषण देने से ज्यादा हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता, और वह भी लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में इतना अंधा हो चुका है कि उसे देश में हो रहा विकास दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा, श्जिसकी आंखों में श्मोदी–ए–बिंदुश है, उसे देश में हो रहा ये सब निर्माण दिखाई नहीं दे रहा। इसका मतलब है कि पीएम मोदी का विरोध करने की मानसिकता इतनी प्रबल हो गई है कि सच्चाई दिखाई देना बंद हो जाती है, औरगठबंधन, जिसके नाम में भारत हो सकता है, लेकिन दिल में भारत नहीं है, उसे मोदी–ए–बिंदु मिल गया है। बता दें कि कोलंबिया में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर भारत के लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया, इसे देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने भाजपा–आरएसएस की विचारधारा को कायरता पर आधारित बताते हुए।

अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल यूनिवर्सिटी प्लेटफश्र्म और पांच नेलिट केंद्रों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को एनआईईएलआईटी (नेलिट) डिजिटल यूनिवर्सिटी (एनडीयू) प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया। यह प्लेटफॉर्म उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा तक पहुंच को सुलभ बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने पांच नए नेलिट केंद्रों का भी वर्चुअल तरीके से शुभारंभ किया। पत्नी ने की रिहाई की अपील सरकार के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, सेमीकंडक्टर और संबंधित क्षेत्रों जैसी खास तकनीकों में उद्योग–केंद्रित प्रोग्राम प्रदान करेगा। यह युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करने के लिए लचीले डिजिटल लर्निंग मोड और वर्चुअल लैब भी उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार के मुजफ्फरपुर, ओडिशा के बालासोर, आंध्र प्रदेश के तिरुपति, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव के दमन और मिजोरम के लुंगलेई में भी पांच नए नेलिट केंद्रों का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता इन नए केंद्रों के जुड़ने से नेलिट भारत के तकनीकी भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। इस लॉन्च कार्यक्रम के दौरान नेलिट और माइक्रोसॉफ्ट, जीस्केलर, डिक्सन टेक और फ्यूचर क्राइम के बीच समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित किए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "तीन साल पहले डिजिटल यूनिवर्सिटी स्थापित करने का फैसला लिया गया था। कई विकल्प थे, लेकिन सबसे अच्छा विकल्प नेलिट था। हमें 500 इंडस्ट्री पार्टनर्स की एक सूची बनानी चाहिए और वे जरूरी नहीं कि सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स या आईटी क्षेत्र से ही हों। ये टेक्नोलॉजी अब हर क्षेत्र में इस्तेमाल होती है।" उन्होंने कहा, "जहां कहीं भी इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी का इस्तेमाल होता है, हमारा लक्ष्य छात्रों को प्रशिक्षित करना और उन्हें उन विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करना होना चाहिए।

संपादकीय

आई लव मोहम्मद को लेकर बवाल

उत्तर प्रदेश के बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद को लेकर हुए बवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी तक दंगा करना भूल जाएगी। एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में सरकार के सख्त संदेश के बाद योगी ने कहा कि मौलाना भूल गया कि शासन किसका है, मैंने बोला जाम नहीं होगा, न ही कर्फ्यू लगेगा। यह चेतावनी इत्तेहाद–ए–मिल्लद काउंसिल के प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान के लिए बताई जा रही है जिन्होंने आई लव मोहम्मद अभियान के नाम पर विरोध–प्रदर्शन का आह्वान किया था। रजा को पुलिस ने गिरफ्तार किया और चौदह दिन के लिए जेल भेज दिया गया। उनतालिस अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि बाराबंकी में शुक्रवार को देर रात आई लव मोहम्मद का पोस्टर फाड़ने के बाद हंगामा हो गया था। दरअसल, बारावफात के जुलूस के दौरान कानपुर के कुछ मुस्लिम इलाकों में आई लव मोहम्मद वाले पोस्टरध्बैनर रास्ते में लगाने से हिन्दूवादी संगठनों ने आपत्ति की थी। कुछ लोगों के खिलाफ शिकयत दर्ज होने और पंद्रह अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज होने पर मामले ने तूल पकड़ लिया। देश के अन्य इलाकों में भी लोग आई लव मोहम्मद की तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर आए। विरोधस्वरूप कुछ हिन्दुत्ववादियों ने आई लव महादेवध्महाकाल जैसे बैनर लगाने चालू कर दिए। संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि रजा पंद्रह साल पहले हुए दंगों की तर्ज पर शहर को सुलगाने की साजिश कर रहा था। भड़काऊ बयानों द्वारा भीड़ को इकत्र्रा करने और पत्थरबाजी कराने, चाकू–डंडे आदि से दहशत फैलाने के सबूत पाए गए हैं। मौके से अवैधा हथियारों का मिलना इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि जानबूझकर शहर को दंगों में झोंकने की साजिश की जा रही थी। चूंकि नमाज के वक्त स्थानीय पुलिस इलाके में मुस्तैद थी, इसलिए उसने फौरन उपद्रवियों को काबू में कर लिया। बता रहे हैं कि फसाद करने वालों को इंटरनेट के माध्यम से निर्देशित किया जा रहा था। उपद्रवियों ने पुलिस वालों पर भी हमला किया और उनके उपकरण छीनने के प्रयास किए। निरूसंदेह राज्य के मुखिया द्वारा दी गई यह धमकी कतई उचित नहीं कही जा सकती। मगर यदि वास्तव में शहर में उपद्रव फैलाना किसी का मकसद था तो उसे खुला भी नहीं छोड़ा जा सकता। यह बात धर्म विशेष तक नहीं सीमित रहनी चाहिए, बल्कि पूर्वाग्रहों के बगैर किसी भी उपद्रवी, साजिशकर्ता और दहशतगर्द के साथ मुलायमियत से पेश आने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस की परीक्षा में फेल हुआ संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने विजयादशमी पर नागपुर के रेशम बाग स्थित मुख्यालय में अपना शताब्दी समारोह मनाया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसके मुख्य अतिथि थे। श्री कोविंद ने अपने भाषण में जहां महात्मा गांधी को याद किया, तो वहीं मोहन भागवत ने किसी राष्ट्रप्रमुख की तरह भाषण दिया। इस भाषण में अर्थनीति, विदेशनीति, सरकार की जिम्मेदारियां, इतिहास, वर्तमान, भविष्य सभी का जिक्र था। वैसे भी मोदी सरकार ने जब संघ का शताब्दी समारोह जनता के खर्च पर सरकार की तरफ से मना लिया है, तो उसके बाद श्री भागवत के इस तरह भाषण देने के अंदाज पर आश्चर्य भी नहीं होता। मोदी शासनकाल शुरु होने से पहले संघ का स्थापना दिवस, दशहरे पर शस्त्र पूजा, ये सब मनाए जाते रहे, लेकिन उनका ऐसा प्रचार–प्रसार नहीं होता था, मानो ये कोई राष्ट्रीय आयोजन हो। लेकिन अब संघ का स्थापना दिवस राष्ट्रीय पर्व से कम नहीं रह गया है। अब तक तो मोदी सरकार ने ये लिहाज किया हुआ है कि इसे घोषित तौर पर चौथा राष्ट्रीय पर्व नहीं बनाया है, लेकिन अगर संघ के महिमामंडन का सिलसिला ऐसे ही जारी रहा तो फिर श्री मोदी इसे भी मुमकिन बना देंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने राष्ट्रवाद का कितना पोषण किया है, देश की उन्नति में इसका बड़ा योगदान रहा है, ये सारी बातें तो पिछले कई अर्से से चल ही रही हैं, अब ये भी कहा गया है कि आजादी की लड़ाई में भी संघ ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जबकि इतिहास गवाह है कि संघ ने आजादी के लिए संघर्ष तो नहीं किया, बल्कि भारत छोड़ो आंदोलन जैसे ऐतिहासिक आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजों को चित्र्ठी लिखी। इस भूल को संघ सुधार सकता था, बशर्ते वह आजादी के बाद गांधीजी की बातों को सुनता, उनसे नफरत का इजहार नहीं करता। जो संविधान बना, उसे स्वीकार करता। उसकी जगह मनुस्मृति की वकालत नहीं करता। लेकिन संघ ने अपनी देशभक्ति साबित करने के इस मौके को गंवा दिया। 2 अक्टूबर को संघ को यह मौका फिर मिला, लेकिन इस परीक्षा में भी संघ फेल हो गया। दरअसल 2 अक्टूबर को नागपुर में इंडियन यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को संविधान की प्रति सौंपने के लिए सड़कों पर उतर आए। यूथ कांग्रेस के नेताओं ने श्महात्मा गांधी अमर रहेंश और श्यूथ कांग्रेस जिंदाबादश के नारे लगाए और आरएसएस के कार्यालय की ओर मार्च शुरू किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इससे पहले इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने इस प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, श्आरएसएस ने पिछले सौ सालों से देश के संविधान के खिलाफ काम किया है। उन्होंने संविधान की विचारधारा को नकारा है और देश में जहर घोलने का काम किया है। हम आज आरएसएस को संविधान की प्रति सौंपना चाहते हैं और उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस संविधान को अपनाएं। अब यह आरएसएस के ऊपर है कि वे इस देश के पूरे देशवासियों के स्वाभिमान के प्रतीक संविधान को अपनाते हैं या हमें बीच में ही रोक देते हैं।श बता दें कि इस प्रदर्शन में सैकड़ो युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। उनका मार्च शांतिपूर्ण ही था और वे संघ प्रमुख को संविधान की प्रति देना चाह रहे थे, कोई विस्फोटक सामान नहीं, जिससे संघ को डर लगे। इस प्रति को स्वीकार कर मोहन भागवत देश की व्यवस्था में अपना यकीन ही जाहिर करते, लेकिन महात्मा गांधी की जयकार और संविधान लेकर चलने वाले युवाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस प्रदर्शन के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या आरएसएस संविधान की मूल भावना को अपनाएगा या उसकी आस्था मनुस्मृति में ही बनी रहेगी। और यहां दूसरा विकल्प ही मजबूत नजर आता है। वैसे मोहन भागवत को भाजपा के पूर्व सांसद और अब कांग्रेस के नेता उदित राज से भी चुनौती मिली। 2 अक्टूबर के भाषण में मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं। हिंदू समाज में हम और वे की अवधारणा कभी अस्तित्व में नहीं रही। इस पर उदित राज ने लिखा है कि भागवत जी हमें एक कुआँ, एक मंदिर और एक श्मशान की जगह एक तरह की शिक्षा, जाति विहीन समाज और हिस्सेदारी चाहिए। दलित और ओबीसी अब जाग गए हैं और आपके झाँसे में नहीं आने वाले हैं । बता दें कि भागवत कहने को तो बराबरी की बात करते हैं, समरसता कहकर दलितों और पिछड़ों को सवर्णों से पीछे रहने, लेकिन मिलकर चलने की नसीहत देते हैं। अब तो भागवत मुस्लिमों के लिए भी अच्छी–अच्छी बातें कर रहे हैं। लेकिन उदित राज ने सीधे कहा है कि कुआं, मंदिर, श्मशान, शिक्षा सबमें एक जैसी व्यवस्था दलितों को चाहिए, कोई भेद नहीं चाहिए। जाहिर है ये मांग मनुस्मृति के खिलाफ है, जो दलितों को शेष तीनों वर्णों की सेवा में देखना चाहती है। दलित न पढ़े–लिखें, न उनका आर्थिक ओहदा ऊंचा हो पाए,।

संघ के सौ साल पर प्रधानमंत्री की स्वीकारोक्ति

मुकेश

इस साल 15 अगस्त को लालकिले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खुल कर सराहना की थी। श्री मोदी ने संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन बताया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी खुद को सांस्कृतिक संगठन ही बताता है, जिसका राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है। लेकिन यह खुला तथ्य है कि भारतीय जनता पार्टी संघ के कारण ही अस्तित्व में आई और आज सत्ता पर विराजमान है। इस तथ्य को पहले श्री मोदी के बयान से बल मिला और अब एक कदम आगे बढ़ते हुए सरकार ने ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह का आयोजन किया। विजयादशमी पर संघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने से पहले 1 अक्टूबर को दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें खुद प्रधानमंत्री मोदी ने शिरकत की। 1 तारीख के अखबारों में संस्कृति मंत्रालय ने संघ के शताब्दी समारोह के बड़े–बड़े विज्ञापन जारी किए। मंत्रालय ने इन विज्ञापनों के लिए लाखों रूपए जनता की गाढ़ी कमाई से हासिल टैक्स से दिए होंगे। यहां सवाल बनता है कि किसी गैर सरकारी संगठन के लिए सरकार क्यों विज्ञापन दे रही है, उसके शताब्दी समारोह का आयोजन सरकार क्यों कर रही है और किस अधिकार से जनता के धन को एक गैर सरकारी संगठन के प्रचार पर खर्च किया जा रहा है। हालांकि ये सिलसिला केवल कार्यक्रम आयोजन और विज्ञापन तक ही सीमित नहीं रहा। बुधवार 1 अक्बूटर के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने संघ शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में नए 100 रुपये के सिक्के और डाक टिकट भी जारी किए, जिस पर भारत माता की तस्वीर छपी हुई थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि संघ के सौ साल महज संयोग नहीं है, ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था जिसमें राष्ट्र चेतना, समय–समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए–नए अवतारों में प्रकट होती है। इन शब्दों का विश्लेषण करें तो इसमें वही ध्वनि सुनाई देगी, जिसमें नरेन्द्र मोदी खुद को नॉनबायलॉजिकल बताते हैं। भगवत गीता में लिखा है– यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अर्थात जब–जब धर्म की हानि होती है और अधर्म की वृद्धि होती है, तब–तब मैं प्रकट होता हूं (अवतरित होता हूं)। साधुजनों का उद्धार करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की स्थापना करने के लिए, मैं हर युग में प्रकट होता हूं। अब सवाल ये है कि क्या नरेन्द्र मोदी ने खुद को अवतरित बताने के साथ–साथ संघ के लोगों को भी अवतारी बताने की कोशिश की है। क्या श्री मोदी ये बताना चाह रहे हैं कि 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तब राष्ट्र चेतना जगाने और उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए अवतार की जरूरत थी। अगर श्री मोदी की बात का यही अर्थ है, तब एक नया सवाल उठता है कि 1930 में जब गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरु किया, या 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ शुरु हुआ, तब संघ के किसी भी सदस्य ने उसमें हिस्सेदारी क्यों नहीं की। क्या इन आंदोलनों से राष्ट्रचेतना जाग्रत नहीं हो रही थी, या फिर संघ उस युग की असली चुनौती गुलामी को नहीं बल्कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना को मानता था। यह स्थापित तथ्य है कि संघ के लोगों ने किसी भी तरह आजादी की लड़ाई में हिस्सेदारी नहीं की। वी डी सावरकर भी अंग्रेजों से माफी मांगकर जेल से निकल गए थे, इसके प्रमाण मौजूद हैं। संघ के लोग महात्मा गांधी, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे देशभक्तों और क्रांतिकारियों को अराजक कहकर ब्रिटिश शासन के पक्ष में काम करता रहे, यह भी इतिहास में दर्ज है। 1948 में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे ने अपनी पत्रिका अग्रणी के 1945 के अंक में एक कैरिकेचर प्रकाशित किया था, जिसमें रावण के सिर की जगह महात्मा गांधी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद, राजगोपालाचारी जैसे नेताओं के सिर दिखाए गए थे, और उन पर बाण चलाने वाले के रूप में वी डी सावरकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दर्शाया गया था। जब 1950 में संविधान लागू हुआ तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उसकी मुखालफत की और उसकी मनुस्मृति की वकालत की। नागपुर में संघ मुख्यालय में तिरंगा भी कुछ बरस पहले जाकर लग पाया है, इससे पहले संघ तिरंगे को भी नहीं मानता था। अब संविधान हत्या विरोधी दिवस, घर–घर तिरंगा अभियान, सरदार पटेल की आसमान छूती मूर्ति बनाना या गांधीजी के नाम पर स्वच्छता दिवस मनाकर इन तथ्यों को खारिज नहीं किया जा सकता कि संघ का यकीन कभी भी उस हिंदुस्तान में नहीं रहा, जो गंगा–जमुनी तहजीब से बना और जिसकी पहचान अनेकता

में एकता रही है। बल्कि हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान के मकसद को लेकर संघ आगे बढ़ा। हिंदू–मुस्लिम विभेद को समाज में बढ़ावा दिया और ऐसे संघ के लिए सरकारी आयोजन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा त्याग, निरूस्वार्थ सेवा, राष्ट्र निर्माण और अनुशासन की अद्भुत मिसाल है। मैं संघ के शताब्दी समारोह का हिस्सा बनकर अत्यंत गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी संवैधानिक मर्यादा को किनारे करते हुए खुद को गर्व से संघ का स्वयंसेवक बता रहे हैं। आज के भारत का यही न्यू नॉर्मल बना दिया गया है। लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या लोकतंत्र के लिए यह वाकई सामान्य बात है, या इस पर चिंतित होना चाहिए।

पश्चिम एशिया में बदलते समीकरण : नई दोस्तियां और नयी चुनौतियां

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से दुनिया भर में टैरिफ युद्ध छेड़ा, उसके बाद कोई देश भी ये दावा करने की स्थिति में नहीं है कि वह अमेरिका का स्थायी दोस्त है। कब ट्रंप उस देश के खिलाफ मोर्चा खोल दें, यह किसी को पता नहीं। लिहाजा सारे देश अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखकर ही दूसरे देशों से

संबंध व नजदीकियां बढ़ा रहे हैं, समझौता कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां विश्व स्तर पर नये गठबंधन, सत्ता समीकरण को जन्म दे रही हैं। हर देश इस समय अपने को केंद्र में रखकर कई स्तरों में वार्ता व समझौते कर रहा है। क्याविश्व कूटनीति में नये समीकरण उभर रहे हैं। नई दोस्तियां हो रही हैं, नए समझौते हो रहे हैं और इनके केंद्र में पश्चिमी एशिया व एशिया है। जिस तरह से देशों के बीच पुनर्मिलन व नई संरचनाएं हो रही है, उसमें इस बात की प्रबल संभावना है कि इससे न्यू वर्ल्ड ऑडर भी आकार ले सकता है। विश्व व्यापार में जी–7 देशों का दबदबा कम होना और जी–20 का प्रभाव बढना क्या इसका सूत्रधार है। इसमें सबसे बड़ी परिघटना के रूप में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता दिखाई देता है। जिस तरह से ये दोनों देशकृजो अमेरिका के साथ ही माने जाते हैं, वे साथ आए, उससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खलबली मची है। सवाल सीधा सा है कि क्या पश्चिम एशिया के देशों में खासतौर से जो अमेरिका की गुड बुक्स में रहे हैं, उनका भरोसा अमेरिका से हट रहा है। पश्चिम एशिया के देश क्या अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने के लिए मजबूर हो रहे है। इसे ट्रंप द्वारा अफगानिस्तान के तालिबानी शासन पर बगराम एयरबेस को वापस मांगने के लिए धमकी देने वाले घटनाक्रम से भी जोड़कर देखा जा सकता है। सवाल है कि पश्चिमी एशिया में ऐसा क्या घट रहा है जिसकी वजह से सऊदी अरब और पाकिस्तान ने इतना अहम समझौता किया। दरअसल, इस समझौते के पीछे सबसे बड़ा कारक है कतर पर किया गया इजराइल का हमला। फिलिस्तीन को लेकर इजराइल लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अकेला पड़ता दिख रहा है, उसमें जिस तरह से इजराइल ने अच्छी–खासी दूरी को लांघते हुए कतर की राजधानी दोहा पर हमला कियाकृउसने पूरे इलाके में गहरा विक्षोभ व असंतोष पैदा किया। कतर अमेरिका का पुराना सहयोगी देश है और यहां वर्ष 2000 से अमेरिका का सैन्य अड्डा है। कतर की राजधानी दोहा के पास मौजूद अल उदैद एयरबेस पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एयर ऑपरेशंस का मुख्यालय है। यानी कतर को यह 100 फीसदी गारंटी थी कि अमेरिका का सैन्य अड्डा यहां है, लिहाजा वह इजराइल समेत तमाम देशों के किसी भी हमले से महफूज है। जब दोहा में हमास के नेताओं को मारने के लिए इजराइल ने हमला बोलाकृतब उसका ये विश्वास खंडित हो गया। यहां कतर का यह कहना भी वाजिब है कि वह अमेरिका के कहने पर ही फिलिस्तीन के मिलिटेंट संगठन हमास के संग शांति वार्ता आयोजित कर रहा था। यानी सब कुछ अमेरिका के ही इशारे पर हो रहा था, ऐसे में उसकी राजधानी पर इजराईल का हमला–उसके लिए बर्दाश्त करना बहुत मुश्किल था। पूरी इलाके में खलबली मची। साथ ही साथ सऊदी अरब को भी लगा कि वह भी सुरक्षित नहीं है, क्योंकि इजराइल की मिसाइल सऊदी के एयर स्पेस को पार करके ही दोहा पहुंच सकती थीं। सऊदी अरब पश्चिमी एशिया में बड़ा देश है और उसे भी गहरी बेचौनी व असुरक्षा लगी। दोहा पर हमले के बाद जिस तरह से इजराइल के प्रधानमंत्री नेत्यानाहू ने भी यह कहा कि उन्होंने ट्रंप को दोहा पर इस हमले के बारे में बता दिया था, उससे भी पश्चिम एशिया के सभी देशों में असुरक्षा फैली। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी मजबूरी में कहना पड़ा कि इजराइल सही कह रहा है, लेकिन वह कतर के साथ है। लेकिन ऐसा लगता है कि ट्रंप के इस प्रयास से डैमेज कंट्रोल नहीं हुआ। सऊदी अरब जो इस इलाके का सबसे बड़ा और शक्ति संपन्न देश है, उसने गहरी असुरक्षा से भरकर ही पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाया। वैसे, 17 सितंबर 2025 को सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते को कई लिहाज से इस क्षेत्र के लिए गेम चौंजर कहा जा सकता है। इसमें यह तय किया गया है कि यदि किसी बाहरी देश ने एक पक्ष पर आक्रमण किया तो इसे दूसरे देश पर भी आक्रमण माना जाएगा। सऊदी अरब पाकिस्तान के न्यूक्लियर एम्ब्रेला के अंदर है, यानी पाकिस्तान द्वारा सऊदी के रक्षा कवच के रूप में न्यूक्लियर क्षमताएं शामिल हो सकती हैं। आज की तारीख में सऊदी अरब के पास पाकिस्तान का न्यूक्लियर कवच मौजूद होगा, जो उसे किसी भी देश के हमले में बचाने में काम आ सकता है। पाकिस्तान का भी कद बड़ गया और उसे न्यूक्लियर पॉवर होने का लाभ भी मिला। वैसे यह भ्रम नहीं पाला जा सकता कि इससे पश्चिम एशिया में अमेरिकी पकड़ ढीली होगी, क्योंकि बड़ा प्लेयर अभी भी अमेरिका ही है और उसने इस इलाके पर अपने अप्रत्यक्ष दबदबे को कायम रखने के लिए बहुत से घोड़े दौड़ा रखे हैं। लेकिन अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती जरूर मिल रही है। । भारत को पश्चिमी एशिया और दक्षिण एशिया में अपनी रणनीतिक पहुंच और साझेदारियों पर फिर से विचार भी करना पड़ सकता है। अगर पाकिस्तान वास्तव में सऊदी को न्यूक्लियर एम्ब्रेला प्रदान करता है तो भारत के परमाणु रणनीतिक संतुलन पर यह एक नया तत्व जोड़ता है। भारत को यह देखना होगा कि इस तरह की स्थिति में कौन–सी कार्रवाई और सुरक्षा नीति अपनानी है। साथ ही साथ, यह भी ध्यान देना चाहिए कि भारत और सऊदी अरब के बीच ऊर्जा, निवेश, व्यापार आदि मामलों में बेहद मजबूत संबंध हैं। वैसे भी इस तरह के रक्षा समझौते अक्सर यह संकेत देते हैं कि भविष्य में यदि कोई संघर्ष हो, तो इसमें शामिल देशों की भूमिका और प्रतिक्रिया अधिक व्यापक हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सऊदी अरब से खासे घनिष्ठ संबंध है और भारत के उद्योगपतियों के लिए भी सऊदी से दोस्ती बहुत जरूरी है। जिस तरह पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, उस समय भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर ही थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से दुनिया भर में टैरिफ युद्ध छेड़ा, उसके बाद कोई देश भी ये दावा करने की स्थिति में नहीं है कि वह अमेरिका का स्थायी दोस्त है। कब ट्रंप उस देश के खिलाफ मोर्चा खोल दें, यह किसी को पता नहीं। लिहाजा सारे देश अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखकर ही दूसरे देशों से संबंध व नजदीकियां बढ़ा रहे हैं, समझौता कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां विश्व स्तर पर नये गठबंधन, सत्ता समीकरण को जन्म दे रही हैं। हर देश इस समय अपने को केंद्र में रखकर कई स्तरों में वार्ता व समझौते कर रहा है। एक तरह की बार्गेनिंग या डील करने–कराने का दौर शुरू हो चुका है। इसमें पश्चिम एशिया, एशिया व ब्रिक्स के देशों के बीच भी जो संवाद स्थापित हो रहे हैंकृवे यथास्थिति को तोड़ने वाले साबित हो सकते हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका के बहुत बड़े हित हैं। तेल का अकूत भंडार होने के साथ–साथ उसके शक्तिशाली सैन्य बेस उसे दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की शक्ति प्रदान करते हैं। अमेरिका के घरेलू संकट को हल करने के लिए भले ही ट्रंप कभी टैरिफ का डंडा चलाते हैं कभी धमकियों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन दुनिया के बाकी देश उस तरह से लंबलेट नहीं हो रहे हैं। अभी तक भारत का दबाने के लिए भी ट्रंप ने कम हथकंड़े नहीं इस्तेमाल किये, लेकिन अपने हिसाब की टेड्र डील नहीं करवा पाए। फिलहाल सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता आने वाले दिनों में क्या गुल खिलाएगा, इसके लिए तो इंतजार करना होगा, लेकिन संदेश साफ है कि पश्चिम एशिया पर अमेरिकी पकड़ के ढीली हो रही है। ट्रंप के फैसले, विरोधाभासी बयान लगातार नए समीकरणों, समझौतों को जन्म दे रहे हैं और देते रहेंगे।

भारत, इस्राइल और पश्चिमी देशों के लिए नई चुनौती

डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

विगत 17 सितम्बर 2025 को सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक रणनीतिक गठबंधन श्स्ट्रेटजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंटश्य रियाद में हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच हस्ताक्षर हुए जिसे वर्तमान दौर का इस्लामिक नाटो (मुस्लिम उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) समझौता का नाम दिया जा रहा है। इस समझौते में कहा गया है कि एक देश पर आक्रमण को दूसरे देश पर आक्रमण माना जाएगा। नाटो के अनुच्छेद–5 की तरह काम करने की बात कही गई है। इस समझौते से यह भी अब समझने की आवश्यकता है कि भारत पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव क्या होगा? भारत पर इसका प्रभाव समझने के पूर्व समझौते की व्याख्या करना जरूरी है। वास्तव में यह समझौता संभावित मुस्लिम महाशक्ति की नींव के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें पाकिस्तान की परमाणु शक्ति तथा सऊदी अरब की आर्थिक ताकत के साथ आने के संकेत हैं। परिणामस्वरूप एक संभावित श्महाशक्तिश्य का उदय हो सकता है। समझौता पारंपरिक लेन–देन पर आधारित कूटनीति से बढ़कर संस्थागत सुरक्षा साझेदारी की ओर संकेत कर रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि यह सुरक्षात्मक समझौता है, आक्रामक सोच वाला नहीं किंतु सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक समझौते के तहत श्सभी सैन्य साधनश्य भी शामिल होंगे। इस समझौते के पीछे एक तात्कालिक कारण यह है कि खाड़ी और मध्य पूर्व की सुरक्षा की स्थिति में बढ़ी हुई अनिश्चिता विशेष रूप से इस क्षेत्र में अन्य देशों के हथियारबंद संघर्ष एवं आक्रामक गतिविधियों के बढ़ने के चलते। समझौते की मीमांसा के पूर्व इसकी प्रमुख बातों का भी उल्लेख जरूरी है ताकि इसके दूरगामी रणनीतिक पहलुओं को समझा जा सके–साझा सुरक्षा बंधन–अगर दोनों देशों से किसी एक देश पर असर होता है, तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। रक्षा सहयोग और समर्थन–इसके अंतर्गत दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण, हथियारों की आपूर्ति, तकनीकी हस्तांतरण तथा सह–उत्पादन पर विशेष बल देंगे। परमाणु बचाव रणनीति–पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार हैं, जबकि सऊदी अरब के पास एक भी परमाणु हथियार नहीं हैं। इस डील द्वारा पाकिस्तान सऊदी अरब को परोक्ष रूप से परमाणु सुरक्षा कवच प्राप्त होने की संभावना है। ईरान के परमाणु संकट को संतुलित करने हेतु– वास्तव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा संकट मानकर उसका संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से भी सऊदी अरब एवं पाकिस्तान का यह समझौता हुआ है। अमेरिकी की दोहरी भूमिका का परिणाम–इस डील में हाल में पाकिस्तान के साथ की गई डिफेंस डील और उसकी शांतिपूर्ण अनुमति के आधार पर हुई है, ताकि सऊदी अरब की सुरक्षा का बोझ पाकिस्तान पर डाला जा सके। समझौते में प्रावधान है कि रक्षा के लिए सभी सैन्य साधनों का उपयोग किया जा सकता है। इसके तहत सैन्य सहयोग से लेकर आधुनिक रक्षा पण्रालियां भी शामिल हैं। दोनों देशों का कहना है कि यह रक्षा डील क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए है, पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों को विशेष रूप से दृष्टिगत रखते हुए किया गया है। इस समझौते के अंतर्गत सैन्य अभ्यास, सैन्य प्रशिक्षण तथा रक्षा तकनीकी, साझेदारी को विशेष बढ़ावा दिया जाएगा। यद्यपि यह समझौता प्रमुख रूप से रक्षा से संबद्ध है, लेकिन सऊदी अरब–पाकिस्तान संबंध पहले से ही तेल, वित्तीय सहायता और श्रमिक योगदान पर आधारित हैं। इस समझौते के साथ अब दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ता और गहरी हो सकती है। यह एक समझौता क्या भू–राजनीतिक समीकरण में बदलाव ला सकता है? यह समझौता एक नये ध्रुवीकरण का भी संकेत देता है, जो भारत की मध्य पूर्व में सामरिक भूमिका को भविष्य में बड़ी चुनौती दे सकता है।

विचारणीय विषय यह है कि क्या इससे वौंकिरण के इस दौर में समीकरण भी बदल जाएंगे? यह भारत के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि पाकिस्तान को सऊदी अरब से आर्थिक–राजनीतिक समर्थन मिलने पर कश्मीर में आतंकवाद जैसा संवेदनशील मुद्दा पुनरू खड़ा हो सकता है, जो भारत की स्थिति हेतु बड़ा संकट बन सकता है। अरब देशों ने हाल के महीनों में इस्राइल की आक्रामक कार्यवाहियों विशेष रूप से कतर तथा ईरान पर सैन्य हमलों के बाद अमेरिका की सुरक्षा साझेदार के रूप में विसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। निश्चित ही पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौते से भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है क्योंकि इसे सामान्य समझौता नहीं समझना चाहिए। चूंकि यह पश्चिम एशिया में बदलते भू–राजनीतिक समीकरणों के बीच हुआ है। भारत के साथ सऊदी अरब की आर्थिक साझेदारी भी गहरी है। सऊदी अरब भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार जबकि भारत उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी है। यही नहीं, सऊदी अरब में भारत–पाकिस्तान के तनाव के दौरान संयमित रुख अपनाया। पुलवामा आतंकी हमलों की निंदा की किंतु भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाने तथा बालाकोट हमलों की आलोचना करने से भी परहेज किया। सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी यात्रा के दौरान दिया गया। ऐसी स्थिति में भारत को संयम, सतर्कता, सजगता एवं संतुलित ढंग से काम करने की आवश्यकता है। वास्तव में यह समझौता भारत के लिए अपने पश्चिमी पड़ोस के प्रबंधन को जटिल बनाता है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति को सक्षम और सशक्त करता है। भारत की चिंताएं और चुनौतियां समझौते पर उसकी आधिकारिक टिप्पणी और बयानबाजी से समझी जा सकती हैं। पाकिस्तान कभी भी भारत का भरोसेमंद नहीं रहा व उसकी राजनीति भी भारत विरोध पर ही संचालित होती है। निर्विवाद है कि यह गठबंधन बड़ा आकार लेता है, तो खाड़ी और दक्षिण एशिया की सुरक्षा रणनीति को बदल सकता है। यह समझौता भारत, इस्राइल और पश्चिमी देशों के लिए नई चुनौती बन सकता है।

दोनों किशोरों की लाशें पहुंचीं गांव, देख बदहवाश हुए परिजन पुलिस के सामने हुआ दाह संस्कार

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के निंदुर पुरवा गांव में दो किशोर की हत्या के बाद रात में ही उनका पोस्टमार्टम किया गया। देर रात दोनों के शव घर पहुंचे, तो कोहराम मच गया। गुरुवार सुबह 9:00 बजे पुलिस ने अपनी निगरानी में दोनों किशोर चिताएं तैयार करवा कर दाह करवाया। इस दौरान मौके पर भारी भीड़ रही। सूरज यादव और सनी वर्मा को बुधवार को काम के बहाने बुलाकर विजय कुमार के घर में मार दिया गया था। इसके बाद विजय ने भी पत्नी धीरज कुमारी पुत्री प्रियांशी और रियांशी के साथ खुद को कमरे में बंद कर गैस सिलेंडर खोलकर आज के हवाले कर दिया था। आईजी अमित पाठक, पुलिस अधीक्षक आरएन सिंह, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व अन्य ने गांव का दौरा कर तनाव को देखते हुए पीएसी तैनात कर दी थी। निंदुर कांड में दम तोड़ने वाले सभी छह लोगों के शव का पोस्टमार्टम देर रात

हुआ। पोस्टमार्टम के बाद रात में ही सूरज और शनि के शव उनके परिजन लेकर घर पहुंचे। शव पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के लोग पछाड़े खा–खा कर गिर रहे थे। सुबह 9:00 बजे पुलिस और पीएसी की निगरानी में दोनों के शव का अंतिम संस्कार परिजनों ने किया। इस दौरान गांव के लोगों की भी भीड़ जुटी रही। थाना अध्यक्ष मदनलाल ने बताया कि दोपहर दाह संस्कार की प्रक्रिया चली इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। पुलिस अधीक्षक आरएन सिंह ने बताया कि झुलस कर दम तोड़ने वाले विजय, उसकी पत्नी और दोनों बेटियों के शव को देर रात तक कोई लेने नहीं आया। इस पर भोर में ही रिश्तेदारों को बुलवाकर बहराइच के त्रिमुहानी घाट पर सभी का अंतिम संस्कार करवा दिया गया है। निंदुर पुरवा गांव पुलिस छावनी में तब्दील है, पांच थानों की पुलिस और पीएसी लगातार गांव में गश्त कर रही है। इस बीच नए घटनाक्रम में मृतक सनी के चाचा हीरालाल ने बृहस्पतिवार को पुलिस को दी गई तहरीर में घटना में तीसरे पक्ष के शामिल होने की भी आशंका जताई है। उसने मृतक के पट्टीदारों पर ही आरोप लगाया है इस मामले में। पुलिस ने मृतक समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है, दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। भतीजे सनी का अंतिम संस्कार करने के बाद चाचा हीरालाल ने रामगांव थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है।

तेज रफ्तार एसयूवी ने स्कूल वैन को मारी टक्कर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मिडलैंड अस्पताल के पास तेज रफ्तार एसयूवी माउंट कार्मेल स्कूल की वैन से टकरा गई। वैन में सवार नौ विद्यार्थियों में चीख पुकार मच गई। इनमें से दो विद्यार्थी अधिक चोटिल हो गए। माउंट कार्मेल स्कूल का चालक वैन में बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था । वैन मिडलैंड अस्पताल के पास

पहुंची ही थी कि हादसा हो गया। घटना से अफरातफरी मच गई। लोगों ने आननफानन बच्चों को बाहर निकाला। हादसे की सूचना महानगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने बच्चों को भाऊराव देवरस अस्पताल पहुंचाया। पुलिस आरोपी एसयूवी चालक का पता लगा रही है। कक्षा सात की छात्रा इतिका ने बताया कि हम लोग स्कूल जा रहे थे कि तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने टक्कर मार दी और घर के पास रखे पत्थर पर चढ़ गई। इतिका ने बताया कि उसे कंधे में चोट लगी है। 10वीं कक्षा की छात्रा अक्षिता ने बताया कि तेज रफ्तार एसयूवी ने स्कूल वैन में टक्कर मारी। मेरे कंधे में चोट लगी और हाथ में कई जगह शीशे चुभ गए। ?

संक्षिप्त खबरें

इस दशहरा, फीनिक्स यूनाइटेड मॉल लखनऊ में शॉपिंग का मजा और ढेरों इनाम

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। दशहरा के शुभ अवसर पर फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, लखनऊ इस दशहरा बड़ी शॉपिंग, बड़े ऑफर्स का खास तोहफा लेकर आया है। त्योहार के इस सीजन में मॉल में आने वाले ग्राहकों को बेहतरीन शॉपिंग के साथ–साथ आकर्षक गिफ्ट वाउचर और लकी ड्रॉ के जरिये ढेरों इनाम जीतने के ढेर सारे अवसर भी मिलेंगे । 5 अक्टूबर तक चलने वाले इस ऑफर में ग्राहक यदि 5,999 या उससे अधिक की खघ्रीदारी करते हैं तो उन्हें गिफ्ट वाउचर जीतने और स्पेशल गिफ्ट्स के लिए लकी ड्रा में भाग लेने का मौका मिलेगा। वहीं, 9,999 या उससे अधिक की खघ्रीदारी करने वाले ग्राहक गिफ्ट वाउचर के साथ–साथ बम्पर प्राइज जीतने के लिए लकी ड्रा में शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा एक लकी विजेता को जावा 42 ग बाइक जीतने का मौका मिलेगा। इस ऑफर का मकसद ग्राहकों की खघ्रीदारी को यादगार और रोमांचक बनाना है। पूरे परिवार के साथ शॉपिंग की खुशियों को फीनिक्स यूनाइटेड मॉल ने इस त्योहार पर और भी खास बना दिया है। इसके अलावा अब रोमांचक शॉपिंग एडवेंचर का भी ग्राहक आनंद उठा सकेंगे। श्स्वीट ड्रीमश के स्टाइलिश कपड़ों से शॉपर्स अपनी वॉर्डरोब को नया रंग दे सकेंगे, श्सैमसंगश के लेटेस्ट इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ टेक्नोलॉजी की दुनिया में कदम रख सकते हैं, श्राउडी कैफे ऐंड बोबा भाईश में लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं, श्मस्ती जोनश में गेम्स की अनोखी दुनिया में खोने के साथ ही श्जोडियाकश के ट्रेंडी फैशन व एक्सेसरीज के साथ अपने स्टाइल को भी निखार सकेंगे। फीनिक्स मिल्स के रीटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, ष्हमारे लिए ग्राहकों का शानदार अनुभव सबसे अहम है। दशहरा के त्योहार पर परिवार के साथ होने से खघुशियां और बढ़ जाती हैं। हम चाहते हैं कि हमारे ग्राहक यहां आकर हर खघ्रीदारी के साथ त्योहार की उमंग और खघुशियां कई गुना अधिक महसूस करें।

बेटे ने पिता के 89वें जन्मदिन पर गांव की बेटियों को दिया खास तोहफा,लोगो में बना चर्चा का विषय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के मड़ियाहूं तहसील स्थित बदौवां गांव में दुबई में कारोबार कर रहे एक बेटे ने अपने सामाजिक कार्यकर्ता पिता के 89वें जन्मदिन पर गांव की बेटियों को खास तोहफा दिया है। इस पहल की काफी सराहना हो रही है। बदौवां गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश चंद्र मिश्र का 89वां जन्मदिन 2 अक्टूबर को उनके बेटे बृजेश मिश्र ने पैतृक गांव में धूमधाम से मनाया। बृजेश दुबई में अपना कारोबार करते हैं, जबकि उनके पिता महाराष्ट्र में रेलवे विभाग से केटरिंग इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हैं। सुरेश चंद्र मिश्र का अपने गांव और ग्रामीणों से गहरा लगाव रहा है। पिता की सामाजिक कार्यों में रुचि और गांव से जुड़ाव को देखते हुए बृजेश ने उनके जन्मदिन पर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया। उन्होंने घोषणा की है कि गांव की प्रत्येक बेटी की शादी में 51,000 रुपये की उपहार राशि दी जाएगी, साथ ही मेधावी छात्राओं को साइकिल भी प्रदान की जाएगी। इसी क्रम में, 2 अक्टूबर को बृजेश ने अपने पिता के जन्मदिन पर गांव की 6 मेधावी छात्राओं को साइकिलें और दो बच्चियों की शादी के लिए 51–51 हजार रुपये की उपहार राशि प्रदान की।

लखनऊ में धोखाधड़ी से एटीएम बदलकर निकाले रुपये, 4 अंतर्जपदीय ठग गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर में धोखाधड़ी से लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले गिरोह का बृहस्पतिवार को एसओजी व सिधौली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

हुए हैं। सभी सीतापुर, लखनऊ, रायबरेली, बहराइच व उन्नाव में सक्रिय थे। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार ने बताया कि उन्नाव के मौरावां थानां क्षेत्र के छोटी गौरी निवासी आशीष पाल, अजय मिश्रा पुत्र महेन्द्र मिश्रा निवासी ग्राम अतरहर थाना खीरो जनपद रायबरेली, सूरज सिंह पुत्र स्व0 शैलेन्द्र सिंह निवासी ग्राम पूरा चांद थाना औरास जनपद उन्नाव और हिमांशु राव पुत्र स्व0 रामासरे निवासी ग्राम वासुदेव खेडा थाना मौरावा जनपद उन्नाव को सैनी मैरिज हॉल के सामने से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से कुल 80 विभिन्न बैंको के ।ज्ड कार्ड व कुल 12,000/– रुपये, व एक डिजायर कार संख्या UP32XN7323 जिस पर UP32QN3843 की नम्बर प्लेट लगी है, बरामद हुई है। एसओजी निरीक्षक सत्येन्द्र विक्रम सिंह को पूछताछ में बताया कि वह चारो (घटना में प्रयुक्त वाहन) से घूम घूम कर लोगो की रेकी करते हैं, जहां मौके देखते हैं, जैसे एटीएम कार्ड को किसी भी बहाने से धोखा करके व्यक्ति के ATM कार्ड से बदल लेते है। इस दौरान एक लोग एटीएम के बाहर खड़े होकर बाहरी लोगों पर नजर रखते है। एक लोग नंबर प्लेट बदली हुई गाड़ी में ड्राइवर सीट पर बैठकर भागने की स्थिति में रहते है। फिर बदले गये कार्ड से अन्य ATM में जाकर रुपये निकालते/ खरीददारी करते है। यह भी बताया कि उन्होंने 25 सितंबर को मिलकर मिश्रित रोड पर स्थित एसबीआई के एटीएम मे मौजूद एक व्यक्ति का एटीएम बदल लिया था ।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में 79 मेधावियों को 80 स्वर्ण पदक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,03 अक्टूबर (हि. स.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह छह अक्तूबर को है। इसकी अध्यक्षता कुलाधिपति श्रीमती आनंदी पटेल करेंगी। इसकी तैयारी बैठक को लेकर कुलपति ने शुक्रवार को समीक्षा बैठक ली।छात्रों को दिए जाने वाले पदक के बारे में जानकारी देते हुए कुल सचिव केश लाल ने बताया कि पीयू विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 444 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं डी.लिट. की उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 291 पुरुष और 155 महिलाएँ शामिल हैं। शोध उपाधियों के संकायवार वितरण पर नजर डालें तो कला संकाय सबसे आगे है, जहाँ 328 शोधार्थियों को उपाधि दी जाएगी। इसके बाद शिक्षा संकाय के 46, विज्ञान संकाय के 27 और कृषि संकाय के 11 शोधार्थियों को यह सम्मान प्राप्त होगा। इसी तरह वाणिज्य संकाय से 8, प्रबंध अध्ययन संकाय (पीएचडी एवं डी.लिट.) से 10, औषध संकाय से 4, विधि से पांच और इंजीनियरिंग संकाय से 6 तथा अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय से 1 शोधार्थी उपाधि मिलेगी। कुल 444 शोधा उपाधियों में से पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करने वाले पुरुषों की संख्या 290 और महिलाओं की संख्या 154 है। वहीं डी.लिट. (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) की उपाधि एक पुरुष और एक महिला शोधार्थी को दी जाएगी। दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 79 मेधावियों को 80 स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इनमें स्नातक और परास्नातक दोनों स्तरों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी शामिल हैं। इसमें स्नातक स्तर पर 24 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। इसमें 15 छात्राएं और 9 छात्र शामिल हैं। वहीं परास्नातक स्तर पर 55 विद्यार्थियों को 56 स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा, जिनमें 32 छात्राएं और 23 छात्र हैं। दीक्षांत समारोह में एमए जनसंचार में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर रक्षित प्रताप सिंह को दो मेडल दिया जाएगा। विश्वविद्यालय की तरफ से एक स्वर्ण पदक एवं अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक कुलाधिपति के हाथों मिलेगा। कुल मिलाकर इस बार के दीक्षांत समारोह में 47 छात्राएं और 32 छात्र स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे

संक्षिप्त खबरें

सुशील कुमार शशि होंगे जौनपुर के नए जिला जज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दीवानी न्यायालय के जिला जज अनिल कुमार वर्मा का उन्नाव बतौर जिला जज स्थानांतरण हो गया है। यहां के नए जिला जज सुशील कुमार शशि होंगे। उनका स्थानांतरण कुशीनगर पडरौना से यहां हुआ है।वहां वह जिला जज थे। मूल रूप से बिहार के निवासी सुशील कुमार शशि एचजेएस की परीक्षा 2013 में उत्तीर्ण कर बलिया में अपर जिला जज बने। 2017 में गोरखपुर के अपर जिला जज बने। 2020 में सिद्धार्थनगर में एमएसीटी के पीठासीन अधिकारी रहे। 2023 में कामर्शियल कोर्ट अयोध्या के पीओ रहे। 5 सितंबर 2024 को कुशीनगर पडरौना में जिला जज के रूप में नियुक्त हुए। 31 मई 2034 को सेवानिवृत्ति होंगे।

चार करोड़ की एमडीएमए तस्करी के आरोप में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने चार लोगों को गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। बदलापुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बाराबंकी की संयुक्त कार्रवाई में एमडीएमए तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 1 किलो 30 ग्राम एमडीएमए, पांच एंड्रॉयड मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। यह कार्रवाई गुरुवार रात को की गई। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ के निर्देश पर जिले में अपराधियों और वारंटियों की धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है।इस मामले में शुक्रवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी बदलापुर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक बदलापुर शेष कुमार शुक्ला ने एएनटीएफ बाराबंकी टीम के सहयोग से मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। गुरुवार की रात मिरशादपुर ओवरब्रिज सर्विस लेन पर चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ एमडीएमए बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमन सिंह पुत्र सत्येन्द्र सिंह (निवासी खिजिरपुर, थाना करण्ड़ा, गाजीपुर), कौस्तुभ मणि दुबे पुत्र रामदरश दुबे (निवासी बसन्त पट्टी, थाना करण्ड़ा, गाजीपुर), रितेश यादव पुत्र राजकुमार यादव (निवासी चांदपुर, थाना लाइनबाजार, जौनपुर और अभिषेक सिंह पुत्र राजन सिंह निवासी बसन्त पट्टी, थाना करण्ड़ा, जनपद गाजीपुर के रूप में हुई है। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि इसकी कीमत बाजार में लगभग 4 करोड़ रुपये है।

पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने समाज को नशे के जाल से बचाने के लिए पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराई।

इंजीनियरों ने घपला कर 20 फर्मों को पहुंचाया फायदा

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम में इंजीनियरों और अधिकारियों ने ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए काम कम करके अधिक भुगतान लेने और काम में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों का गोलमाल किया है। वित्तीय वर्ष 2015–16 की ऑडिट में जो मामले सामने आए, उनमें इंजीनियरों और ठेकेदारों के अलावा उन ठेकेदार फर्मों पर भी शिकंजा कस सकता है, जिनको इसका फायदा मिला है। मामले को लेकर विधानसभा की लेखा संपरीक्षा समिति गंभीर है। नगर निगम में 10 साल पहले जो घपले हुए थे, वह उस समय हुए ऑडिट में पकड़े गए थे। जिनको लेकर नगर निगम से सफाई भी मांगी गई थी, मगर निगम उसका कोई सही जवाब नहीं दे पाया। उसके बाद भी कई बार जवाब मांगा गया, मगर समाधान नहीं हुआ। इसके बाद अब ऑडिट में सामने आ चुके मामले विधानसभा की लेखा संपरीक्षा समिति में पहुंचे हैं, जहां से नगर विकास विभाग से जवाब मांगा गया है। अब उसको लेकर नगर निगम से 10 साल पहले उठी उन सभी 41 ऑडिट आपत्तियों को लेकर जवाब मांगा गया है, जिनको नगर निगम प्रशासन अब तक दूर नहीं करा पाया है। अब शासन की सख्ती के बाद सबसे अधिक हड़कंप नगर निगम के अभियंत्रण और लेखा विभाग में है। समिति को रिपोर्ट भेजने के लिए निर्माण कार्यों की माप पुस्तिका (एमबी) रिकार्ड रूम और बंद अलमारियों में ढूंढी जा रही हैं। कई मिली हैं तो कई नहीं मिल रही हैं। इस मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा है कि ऑडिट की आपत्तियों का निस्तारण जल्द कराया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को सख्त पत्र लिखा है। इसमें लापरवाही बरती गई तो संबंधित से रिकवरी कराई जाएगी। जांच के दायरे में आई ये फर्म रजिया कांस्ट्रक्शन, एसएस कांस्ट्रक्शन, यशी ट्रेडर्स, ईगल एसोसिएट, सिद्धी विनायक इंटर प्राइजेज, अराध्या इंटर प्राइजेज, रोहित कांस्ट्रक्शन, अन्नू इंटरप्राइजेज, यामीन बिल्डर्स, एसपी जायसवाल, आरएस बिल्डर्स, केपी इंटरप्राइजेज, नरायन प्रकाश मिश्रा, पिंक पैंथर इंटर प्राइजेज, आकाश इंटरप्राजेज, विक्रम कक्कड़, सिंह इंटरप्राइजेज, सुरेश कुमार।

स्वप्ना रॉय को तीन दिन में छोड़ना होगा सहारा का महल जैसा घर

लखनऊ, (संवाददाता)। सहारा प्रमुख स्वर्गीय सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय को अब सहारा का महल जैसा घर तीन दिन में छोड़ना होगा। सहारा प्रमुख का परिवार यहां पर करीब 25 साल से रह रहा है। शनिवार को जमीन का कब्जा लेने के बाद बुधवार को नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ गेट सील करने पहुंची थी। हालांकि, टीम बिना गेट सील किए तीन दिन में कब्जा खाली करने का अल्टीमेटम देकर लौट आई। नगर निगम के संपत्ति प्रभारी रामेश्वर प्रसाद ने बताया कि शनिवार को जमीन का कब्जा लेते समय ही सहारा शहर में रहने वालों को जगह खाली करने के लिए कहा गया था। पहले भी कई बार नोटिस जारी कर कब्जा खाली करने के लिए कहा जा चुका है। बुधवार को वहां रहने वालों को तीन दिन में अपना सामान निकालकर कब्जा खाली करने की अंतिम चेतावनी दी गई है। इसके बाद सहारा शहर के सभी गेट सील कर दिए जाएंगे तब किसी को सामान निकालने का मौका भी नहीं दिया जाएगा। संपत्ति प्रभारी ने कहा कि अभी किसी गेट पर ताला नहीं लगाया गया है। सिर्फ चेतावनी दी गई है। एक कॉल ने रोक दी सीलिंग की कार्रवाईरू नगर निगम की टीम बुधवार को पूरी तैयारी के साथ सहारा शहर पहुंची थी। सीलिंग के लिए ताले और जंजीर भी लेकर गई थी। नगर निगम का प्रवर्तन दस्ता, संपत्ति विभाग की पूरी टीम और पुलिस बल साथ था। सहारा शहर में कार्रवाई का विरोध करने वाला भी कोई नहीं था। तभी एक फोन कॉल ने सारी तैयारी पर पानी फेर दिया। जानकारों ने बताया कि नगर निगम के मुखिया के पास एक कॉल आई थी, जिसके तुरंत बाद मुखिया ने टीम को फोन किया और सीलिंग को टालने का आदेश दिया। हालांकि, अफसरों का कहना है कि वह सिर्फ अल्टीमेटम देने ही गए थे। कार्रवाई तीन दिन बाद की जाएगी। नगर निगम संपत्ति प्रभारी रामेश्वर प्रसाद ने कहा कि जमीन पर कब्जा लिया जा चुका है।

महानवमी पर आस्था और उत्साह का संगम

लखनऊ, (संवाददाता)। नवरात्र के आखिरी दिन महानवमी पर बुधवार को मंदिरों से लेकर मां दुर्गा के पूजा पंडालों तक में आस्था और भक्ति का संगम देखने को मिला। भोर से शुरू हुआ कन्या पूजना दोपहर तक चला। लाल–पीली पारंपरिक पोशाकों में सजीं कन्याएं मां दुर्गा सी प्रतीत हो रही थीं। माता रानी के मंत्र और गीत गूंजते रहे। दोपहर से लेकर रात तक भंडारे लगाए गए। शाम को धुनुची नृत्य, ढाक की ताल पर आरती और ढोल–नागड़ों की धुन पर झूमते भक्तों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। मुखर्जी मार्ग स्थित लखनऊ मॉडल हाउस में श्रीनाथजी मंदिर के स्वरूप में बने मां दुर्गा के पूजा पंडाल में सुबह छह बजे कन्याओं का पूजन किया गया। उन्हें लाल चुनरी ओढ़कर, पैर पखारकर हलवा–पूड़ी, खीर का भोग लगाया गया। शाम को भक्ति गीतों पर कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। कठौता झील स्थित लेडीज पूजा पंडाल, विद्यांत हिंदू पीजी कॉलेज, सहारा स्टेट जानकीपुरम के पंडालों में मनमोहक दृश्य देखने को मिले। हर जगह भंडारे का आयोजन किया। शाम को ढोल–नगाड़ों की धुन पर महानवमी की पूजा की गई। मोतीनगर स्थित महाराज अग्रसेन विद्यालय में चल रही दुर्गा पूजा में महानवमी पर साउथ वेस्ट सर्वजनिन दुर्गा पूजा समिति की ओर से कन्याओं का पूजन किया गया। इन्हें फल, वस्त्र दान कर आशीर्वाद लिया गया। दोपहर में भंडारे का आयोजन हुआ। शाम को आरती के भक्ति गीतों के साथ पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। महिलाओं और पुरुषों ने डांडिया खेलने के साथ गरबा किया। गणेशगंज के गोस्वामी तुलसी पार्क स्थित श्रीश्री सर्वजनिन दुर्गा पूजा पंडाल में हवन और कन्या पूजन हुआ। शंख और ढाक की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। शाम को महाआरती के बाद ऑस्कर योग सांई कृपा सेवा संस्थान के अध्यक्ष गणेश पवार ने प्रसाद के साथ गणेश चालीसा वितरित की। अवसर पर शरद मिश्रा, बटुक महंतो, शेखर गुप्ता, सुभोजित बनर्जी आदि मौजूद रहे।

फाइनेंस कंपनी व कोचिंग के मालिक पर केस

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव क्षेत्र की छात्रा ने बजाज फाइनेंस कंपनी और अनअकैडमी कोचिंग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का कहना है कि उसने मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी के लिए अनअकैडमी जॉइन की थी और इसके लिए बजाज फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। आरोप है कि लोन रिकवरी एजेंसी के एजेंट आपत्तिजनक बातें और धमकी भरे फोन कर रहे हैं। इससे पीड़िता व उसका परिवार डिप्रेशन में है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़िता का कहना है कि 21 सितंबर को रिकवरी एजेंट ने फोन करके लोन माफ कराने के लिए आपत्तिजनक बातें कीं। विरोध करने पर गाली–गलौज की। आरोपी पीड़िता की चाची को भी गंदे और धमकी भरे मेसेज कर रहे हैं। इसके चलते पीड़िता गहरे अवसाद में चली गई। हालत बिगड़ने पर उसे कई दिनों तक मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहना पड़ा।

युवाओं के लिए आज भी प्रेरणास्तंभ हैं स्वामी विवेकानंद

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वामी विवेकानंद का दर्शन आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक है। उनके अद्वैत और विश्व–बंधुत्व के सिद्धांत में दुनिया के मुद्दों के समाधान निहित हैं। ये आशय है डॉ. अनन्या अवस्थी और डॉ. निखिल यादव की किताब– लिविंग द विवेकानंद वे पर बृहस्पतिवार शाम को हुई चर्चा का। इसका संचालन वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला ने किया। पद्मश्री लोकगायिका मालिनी अवस्थी व सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी की पुत्री व पुस्तक की लेखिका डॉ. अनन्या अवस्थी पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ हैं। उन्होंने हारवर्ड विश्वविद्यालय से मास्टर्स किया है। लेखक व चिंतक डॉ. निखिल यादव भारत के पर्वतीय राज्यों के विवेकानंद केंद्रों का प्रभार देखते हैं। डॉ. अनन्या ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी हम स्वामी विवेकानंद के दर्शन का व्यवहारिक इस्तेमाल कर सकते हैं। डॉ. निखिल ने किताब में लिखे विवेकानंद के जीवन के अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उस दौर के महानतम वैज्ञानिक निकोला टेस्ला स्वामी विवेकानंद को खत लिखकर वेदांतिक सिद्धांतों के जरिये मैटर और इनर्जी पर गंभीर चर्चा किया करते थे। आगे चलकर आइंस्टीन ने यह काम किया। डॉ. अनन्या ने किताब के हवाले से बताया कि स्वामी विवेकानंद के विचारों से गांधी, अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, टैगोर और जेआडी टाटा जैसी शख्सियतें बेहद प्रभावित थीं। गोमतीनगर स्थित यूनिवर्सल बुक स्टोर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पद्मश्री मालिनी अवस्थी, चंद्र प्रकाश, दुर्गेश उपाध्याय आदि थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। श्री दुर्गा पूजा महासमिति के जिलाध्यक्ष मनीष देव गौतम और महासचिव मनीष गुप्ता के नेतृत्व जिले में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन गुरुवार देर रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ। विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी घाटों पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों के साथ स्थानीय गोताखोर भी तैनात रहे, ताकि विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके।वही रात में जनपद की केंद्रीय कमेटी दुर्गा पूजा महासमिति की कोतवाली चौराहा स्थित कंट्रोल रूम पर जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश सिंह पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रानंदन सिंह एडीएम अजय अंबष्ट,नगर पालिका परिषद के अधिकारी अधिकारी पवन कुमार क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह ने पहुंच कर जायजा लिया।इस मौके पर अध्यक्ष मनीष देव और महासचिव मनीष गुप्ता ने अधिकारियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।इसके बाद जिलाधिकार और पुलिस अधीक्षक ने अहियापुर मोड पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने बाद नारियल फोड़कर प्रतिमाओं को हरि झंडी दिखाई जिसके बाद मां की प्रतिमाएं विसर्जन के लिए रवाना हुई। जिले के सद्भावना पुल के पास विसर्जन घाट पर बने शक्ति कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन सुबह तक चलता है।इस दौरान कमेटी के लोग विसर्जन में लगे रहे। सुबह तक लगभग 400 से अधिक मां की प्रतिमाएं विसर्जित की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने देर रात 3 बजे तक सभी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन घाटों का लगातार निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र भी पूरी व्यवस्था पर स्वयं निगरानी रख रहे थे। प्रशासन ने बिजली विभाग के अलावा स्वयं भी प्रकाश की व्यवस्था की थी। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बिजली विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए थे कि जिन क्षेत्रों से मूर्तियां गुजर रही हैं, वहां की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर इंदू सिंह सोभनाथ आर्य विंध्याचल सिंह श्रीकांत महेश्वरी संतोष सिंह निखिलेश सिंह, राधे कृष्ण ओझा, शंशाक सिंह मोतीलाल यादव अनिल अस्थाना , दीपक श्रीवास्तव,रत्नेश सिंह राहुल पाठक विजय रघुवंशी संतोष मौर्य राजन अग्रहरि शैलेंद्र मिश्रा,ज्ञानेंद्र दुबे,विजय रघुवंशी,निशा कांत द्विवेदी विजय सिंह , प्रिंस तनेजा, गौरव श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

एसएसपी ने किया पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

अयोध्या। शनिवार को एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया।उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर मे स्थित पुलिस आवास, प्ले स्कूल, भोजनालय, यू.पी. 112 कार्यालय, आर. ओ.आई.पी. कार्यालय, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा, पुलिस कैंटीन, पुलिस अस्पताल, बारबर शाप, अश्वशाला, गैस गोदाम, मेस, जिम हाल, शस्त्रागार, पुलिस लाइन स्टोर, बैरक, क्वार्टर गार्द, बैरक, परिवहन शाखा, कैश कार्यालय, गणना व जीडी कार्यालय आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद कर्मियों को साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। इस मौके पर उनके अलावा एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, को अयोध्या देवेश चतुर्वेदी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन संदीप राय सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीडीओ व एडीआईओएस ने फीता काटकर पांच संस्कृत विद्यालयों में किया स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

अयोध्या।प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़े जाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को परंपरागत शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में जिले के पांच संस्कृत विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया गया। जिसका शुभारंभ सीडीओ केके सिंह और एडीआईओएस अवनीश कुमार पांडेय ने जिले के पांच संस्कृत विद्यालयों मे संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। जहां पर अध्ययन करने वाले छात्रों को स्मार्ट क्लास के तहत शिक्षा प्रदान की जाएगी।इस संबंध में जानकारी देते हुए एडीआईओएस अवनीश कुमार पांडे ने बताया स्मार्ट क्लास की अध्ययन से छात्रों का चौमुखी विकास होगा। किस हुए अपना व अपने समाज के साथ–साथ राष्ट्र का विकास कर सकेंगे।स्मार्ट क्लास की शुरुआत जिन विद्यालयों में की गई है उनमें रघुवर संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय (स्वर्गद्वारा), वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सरयू बाग), जानकी रमन संस्कृत महाविद्यालय (गोसाईगंज), बलवंत आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (देवगढ़, दुगावा) और शांतिनिकेतन संस्कृत महाविद्यालय (रुदौली) शामिल हैं।इन विद्यालयों की कक्षाओं में प्रोजेक्टर, डिजिटल बोर्ड और इंटरनेट आधारित शिक्षण सामग्री लगाए गए हैं।इस अवसर पर प्रधानाचार्य केहरि सिंह, सचिन सिंह, विजय शंकर द्विवेदी, सौरभ द्विवेदी, अंबे कुमार सहित अन्य विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य और छात्र–छात्राएं भी मौजूद रहे।

परंपरा कॉस्मेटिक गिफ्ट इंपोरियम शॉप हुआ का उद्घाटन

अयोध्या। शहर के देवकाली तिराहा पर स्थित परंपरा कॉस्मेटिक गिफ्ट इंपोरियम शॉप का उद्घाटन विधि विधान पूर्वक हुआ।इस मौके पर पंडित शिव शंकर शास्त्री ने शॉप के प्रोपराइटर अजय कुमार लखमानी व उनकी पत्नी से मंत्रोचार,पूजा पाठ व हवन पूजन करवाया।उसके पश्चात् प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ।इस मौके पर आनंद कुमार लखमानी,मनीषा लखमानी, अर्चना लखमानी, अफरा,डाक्टर अजय तिवारी,डाक्टर कृतांत सिंह,डाक्टर अमित तिवारी,डाक्टर तपन चौधरी, कार्तिक बघेल, सोनू मौर्य,इंद्र कुमार लखमानी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए, तभी सम्पूर्ण समाधान दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में मा0 कांशीराम सामुदायिक भवन में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरता पूर्वकसुनवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए, तभी सम्पूर्ण समाधान दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी। तहसील सदर के नेवादा निवासी बाबूराम व अन्य ने चकमार्ग की पैमाइस के लिए प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा एसीओ सदर प्रथम को नियमानुसार सीमांकन कराकर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। लखौवा निवासी सितारा देवी ने विपक्षीगणों के द्वारा निर्माण कार्य में बाधा पहुंचाने के सम्बन्ध में प्रार्थन पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी सदर को नियमानुसार प्रकरण के निस्तारण के निर्देश दिये गये। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अधिकांश शिकायतें राजस्व विभाग से प्राप्त हुयी। जिलाधिकारी ने राजस्व के विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप राजस्व वादों का त्वरित निस्तारण किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें 08 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उपजिलाधिकारी संतवीर सिंह क्षेत्राधिकारीगण देवेश सिंह,परमान्द कुशवाहा, तहसीलदार सौरभ कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में तहसील केराकत के सभागार में संपूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। इसी क्रम में समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान का आयोजन किया गया।

मूट कोर्ट विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण की रीढ़ - गौतम बघेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,04 अक्टूबर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा शनिवार को एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विधि विभाग के सभी शिक्षकगण ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता गौतम बघेल ने "विधि विभाग में मूट कोर्ट संचालन के लिए सुझाव" विषय पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मूट कोर्ट विधि छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण की रीढ़ है और इसके माध्यम से छात्र न्यायालयीन वातावरण का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। श्री बघेल ने यह भी बताया कि मूट कोर्ट के माध्यम से छात्रों में तर्कशक्ति, प्रस्तुति क्षमता, कानूनी विश्लेषण और न्यायिक सोच का विकास होता है। उन्होंने विभाग के शिक्षकों को सुझाव दिया कि मूट कोर्ट की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए छात्रों को नियमित अभ्यास सत्र और केस स्टडी आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए वास्तविक मामलों पर आधारित व्यावहारिक अनुभव देने की भी आवश्यकता बताई। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्री गौतम बघेल के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सत्र छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजन तिवारी ने किया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र, मंगला प्रसाद यादव, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. इंद्रजीत सिंह, श्रीप्रकाश यादव, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राजन तिवारी, प्रगति सिंह एवं जीशान अली सहित सभी शिक्षकगण अपने–अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

संक्षिप्त खबरें

'मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता अभियान चलाकर किया जागरूक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' उत्तरप्रदेश शासन के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर थाना पाली की मिशन शक्ति टीम प्रभारी उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह ने अपनी मिशन शक्ति टीम के साथ जागरूकता अभियान चलाकर महिला सुरक्षा,सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देते हुए महिलाओं और छात्राओं को हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी। थाना पाली की मिशन शक्ति टीम ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए कस्बे के जूनियर हाईस्कूल, ,और पंथवारी देवी मंदिर

जैसे सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर जागरूक किया गया।साथ ही जागरूकता पम्पलेट भी वितरित किए गए, और महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम और आवश्यक विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। इसी क्रम में टीम प्रभारी के नेतृत्व में ग्राम निजामपुर व ग्राम रहतौरा में चौपाल लगाई गई, जिसमें महिलाएं, पुरुष और बालिकाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह ने मिशन के मुख्य उद्देश्यों की विधिवत जानकारी दी,और साथ ही जागरूकता पम्पलेट भी वितरित किए गए।उन्होंने बताया कि इस मिशन को चलाने का लक्ष्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। मिशन शक्ति टीम में महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह,महिला कांस्टेबल संगीता, महिला कांस्टेबल सोनी,कांस्टेबल तेजवीर मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को वितरित की जरूरत की वस्तुएं

लखनऊ। दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए नाविका नितिन फाउंडेशन ने जानकीपुरम स्थित नीता बहादुर दृष्टि संस्थान में फाउंडेशन के अध्यक्ष नितिन कुमार के आयोजन में सुबह की बेला में सैकड़ों बच्चों की खुशियों और चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। संस्थान में रह रहे बच्चों के लिए गद्दे, कम्बल, चादर, तकिया कवर, सभी साइज के डायपर, छोटे– बड़े खिलौने, चॉकलेट, बिस्किट, फ्रूटी, चिप्स, हॉर्लिक्स आदि का वितरण किया गया, साम्रगी मिलते ही बच्चों को खुशियां जैसे कई गुना हो गई हो। मौके पर समाजसेवी नितिन कुमार, नाविका नितिन, अंजलि अनुपम, नमन कुमार, मोनिका सिंह, मंजू मल्होत्रा, नव्या, ब्रजेश मिश्रा, सिविल डिफेंस के डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह सहित गणमान्य मौजूद रहे।

जीएसटी सुधार से व्यापार को मिलेगा नया आयाम – मंत्री श्री ए.के. शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्यमंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा के द्वारा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एंव युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्रीमती मनोरमा मौर्या और जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अजय सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों से मुलाकात कर जीएसटी कर सुधारों पर चर्चा की। प्रभारी मंत्री ने व्यापारियों से बातचीत करते हुए बताया कि जीएसटी की दरों में सुधार कर दैनिक आवश्यक वस्तुओं पर बडी बचत, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में राहत, सस्ती शिक्षा किसानों और कृषि को बढावा, आटोमोबाइल के क्षेत्र में भारी छूट और इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर बचत सुनिश्चित की है। जीएसटी की दरों में कमी से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी, बाजार को नई ऊर्जा मिलेगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जन–हितैषी कर प्रणाली विकसित करने का संकल्प लिया है, जिससे व्यापारियों को राहत मिले और उपभोक्ताओं को भी सुलभ दर पर वस्तुएं उपलब्ध हों। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार लगातार व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर समाधान कर रही है।उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापार को मजबूत करने से न केवल जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि देश की प्रगति में भी योगदान होगा। मंत्री जी ने व्यापारी बन्धुओं से कहा कि ग्राहकों को छुट दिये जाने का संकल्प लें। उन्होंने सभी व्यापारी बन्धुओं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाए भी दी।

रवीना टंडन और राशा थडानी ने किया अपना पहला संयुक्त ब्रांड डेब्यू रिलायंस ज्वेल्स के नए फेस्टिव कलेक्शन का शुभारंभ

बरेली। इस दिवाली, भारत के सबसे विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक रिलायंस ज्वेल्स ने अपने नए फेस्टिव कलेक्शन का शुभारंभ किया है, जो भारत के सबसे बड़े पर्व की जीवंत भावना को समर्पित एक चमकदार प्रस्तुति है। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि ब्रांड पहली बार बॉलीवुड आइकन रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी का स्वागत अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में कर रहा है। मां–बेटी की यह जोड़ी विरासत और आधुनिकता का अनूठा संगम है, जो दर्शाती है कि भारतीय अपने आभूषणों से कैसे बदलते रिश्ते साझा करते हैं। रिलायंस ज्वेल्स के साथ उनका यह जुड़ाव इस तथ्य का उत्सव है कि आभूषण पीढ़ियों से परे जाते हैंकृपरिवार की धरोहरों को दिल से जोड़े रखते हुए साथ ही आज की जीवनशैली के लिए समकालीन डिजाइनों को अपनाते हैं। लॉन्च के अवसर पर गायत्री यादव, ग्रुप सीएमओ, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ने कहा, "हम भारतीयों का सोने के साथ हमेशा से एक गहरा भावनात्मक रिश्ता रहा हैकृयह हमारी परंपराओं, उपलब्धियों और पहचान का प्रतीक है। लेकिन समय के साथ शैलियाँ बदलती हैं और कई बार पुराने डिजाइन हमारी अभिव्यक्ति से मेल नहीं खाते। हमारा नया दिवाली कलेक्शन इस बदलाव का उत्सव हैकृजहां कालातीत परंपराओं और आधुनिक पसंद का

खूबसूरत संगम है। रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा के इस अभियान के चेहरे के रूप में, हम उपभोक्ताओं की दो पीढ़ियों से जुड़ते हैं, परिवारों को अपने आभूषणों को ऐसे डिजाइनों से नया रूप देने के लिए प्रेरित करते हैं जो विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक शैली को अपनाते हैं।" नया फेस्टिव कलेक्शन दिवाली से जुड़ी प्रेरणाओं से तैयार किया गया है। इसमें लक्ष्मी–प्रेरित आकृतियाँ, रंगोली, लालटेन, दीये, गेंदा, कमल के फूल और मोर शामिल हैं, जिन्हें सोने और हीरों से खूबसूरती से तैयार किया गया है। इस कलेक्शन में शानदार इयररिंग्स, चोकर, लॉन्ग नेकलेस, चूड़ियाँ और रिंग्स शामिल हैंकृजिन्हें दिवाली, धनतेरस, शादियों और उत्सव के अवसरों के लिए डिजाइन किया गया है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए रवीना टंडन ने कहा, "मैं रिलायंस ज्वेल्स के साथ अपनी इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। त्योहार खुशी और एकता का प्रतीक होते हैं, और यह कलेक्शन उस भावना को खूबसूरती से दर्शाता हैकृजहां परंपरा और आधुनिकता का बेहतरीन मेल है।" अपने अनुभव साझा करते हुए राशा थडानी ने कहा,"मेरा मानना है कि आभूषण हर अवसर पर आपकी पहचान को दर्शाने चाहिए। यह कलेक्शन मुझे अपनी व्यक्तिगतता व्यक्त करने का अवसर देता है और साथ ही त्योहार की भावना को अपनाता है। हर एक पीस मुझे अपने आप का हिस्सा लगता हैकृजो व्यक्तित्व, स्टाइल और फेस्टिव चार्म का खूबसूरत उत्सव है।" इस दिवाली, रिलायंस ज्वेल्स ग्राहकों को 100: ओल्ड गोल्ड एक्सचेंज वैल्यू की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे वे अपने पुराने आभूषणों की पूरी कीमत पाकर नए डिजाइनों के साथ अपनी ज्वेलरी कलेक्शन को अपग्रेड कर सकते हैं। ग्राहक विशेष फेस्टिव ऑफर्स का भी लाभ उठा सकते हैंकृसोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 45: तक की छूट और हीरे के मूल्य व मेकिंग चार्ज पर 35: तक की छूट, जो 2 नवम्बर 2025 तक मान्य है। नया फेस्टिव कलेक्शन अब देशभर में स्थित 140 रिलायंस ज्वेल्स शोरूम्स पर उपलब्ध है।

मिशन शक्ति फेस – 5 के तहत सीओ सिटी व महिला एसओ ने छात्राओं व फरियादियों को किया जागरूक

अयोध्या। मिशन शक्ति फेस 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर महिला थाना परिसर में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह तथा महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय मऊ शिवाला की छात्राओं तथा शिक्षिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव अध्यापिका, अनुराधा मौर्या व प्रीती मिश्रा मौजूद रहीं।उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इसके अलावा महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया, कांस्टेबल शशिलता, रितु, सोनी,अल्का वर्मा, सोनिया रावत, लक्ष्मी, नेहा मिश्रा, रोली, रंगीता साहनी, अंशु, रंजना शाहिद अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही। वहीं महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने दुर्धरा से अपनी समस्याओं के समाधान करने के लिए थाने पर आने वाली खासकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके समस्याओं का समाधान तो किया ही साथ ही साथ पंपलेट के माध्यम से मिशन शक्ति फेस 5 के तहत चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी बताया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।